विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय- हिंदी ***दिनांक-23/06/2020***
वर्ग-चतुर्थ ***विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी***

पाठ-5 चतुर टॉम(विश्व की महान कृति)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कुछ कक्षाओं में आपने 'हमारा कश्मीर' कहानी का अध्ययन किए। हमें पूर्ण विश्वास है की आपने प्रश्नावली भी हल कर लिए होंगे। आज आपको ' चतुर टॉम' कहानी का अध्ययन करना है। जो कि इस प्रकार है:—

एक था-टॉम। छोटा-सा, लेकिन बड़ा नटखट और बहादुर बच्चा।अपनी बूढ़ी पॉली मौसी के पास वह रहता था। पॉली मौसी उसकी शरारतों से कभी-कभी तंग आ जाती थीं।

एक दिन पॉली मौसी का धैर्य जवाब दे गया। उन्होंने उसे सज़ा सुना दी। उसे घर की बड़ी-सी चहारदीवारी पर सफ़ेदी करने का ज़िम्मा सौंपा गया।

शनिवार का दिन था। टॉम हाथ में सफ़ेदी की बालटी और कूँची लिए हुए चहारदीवारी की पुताई के लिए निकला हुआ था। उसने सोचा-आज का दिन इतना सुंदर है। क्या मैं बस सारे दिन पुताई करते हुए ही इसे बिताऊँगा? आख़िर कुछ ना कुछ तो करना पड़ेगा?

तभी रोगर्स सेब खाता और स्टीमर चलाने की नक़ल करता, उछलता-कूदता वहाँ आया। उस समय टॉम चहारदीवारी के एक हिस्से की पुताई करके एकदम कलाकार की नज़र से उसे देख रहा था।

बेन ने बड़ी सहानुभूति से कहा-"अरे टॉम, आज तो तुम्हें काम करना पड़ रहा है।"

टॉम हँसकर बोला-"काम! तुम इसे काम कहते हो? अरे, यह रोज़-रोज़ चहारदीवारी की पुताई करने का मौक़ा किसे मिलता है? मैं तो इतना ख़ुश हूँ, इतना, कि तुम्हें क्या कहूँ।"

बच्चों, आज ले लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य :—

बच्चों, पेज नं— 29 में दिए गए शब्दार्थ को याद करें।